>

Title: Alleged financial irregularities in the implementation of "National Rural Health Mission".

**श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर):** सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है। हमारे देश में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, एनआरएचएम एक महत्वाकांक्षी योजना चल रही है। हमने अखबारों में पढ़ा कि उत्तर प्रदेश में 3700 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ और बीस आदमियों का एक दल वहां गया। उसने पाया कि 250 करोड़ रुपए किसी विभाग में जमा थे, वे आगे ट्रंसफर नहीं हुए। एम्बुलेंस समय पर नहीं खरीदे गए, टेंडर प्रक्रिया प्रोपर नहीं हुई। मैं बताना चाहता हूं कि जो एनआरएचएम स्कीम है, इसमें डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर, एकाउंट मैनेजर, एकाउंटेंट, डाटा एंट्री ओपरेटर, जीएनएम, एएनएम, फार्मासिस्ट, लैब टैक्नीशियन, आशा सुपरवाइजर, कम्पाउंडर और आशा कार्डिनेटर आदि इतने पद होते हैं। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि ये सभी पद कांट्रेक्ट पर हैं। जब ये पद कांट्रेक्ट पर रहेंगे और स्थायी नहीं होंगे, तो इसी प्रकार के घोटाले देश में और उजागर होंगे। मैं राजस्थान से आता हूं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारे यहां 745 एकाउंटेंट थे, उनको भारत सरकार ने कह दिया कि एकाउंटेंट की जरूरत नहीं है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को कहना चाहता हूं कि आपने इन एकाउंटेंट्स को हटा दिया, आफिसर्स हटा दिया, तो जिस प्रकार से यूपी में घोटाला हुआ है, उसी प्रकार से दूसरे प्रदेशों में भी घोटाले उजागर होंगे। अधिकतर घोटाले टेंडर प्रक्रिया को ले कर हैं। जो पैसा है, वह कहां है, कहां खर्च हुआ, यह पता नहीं लग रहा है। एकाउंट्स नहीं मिल रहे हैं। मेरा सुझाव है कि इसमें तीन सुधार करने की जरूरत है। डाक्टर, स्टाफ और एकाउंटेंट ये संविदा पर नहीं होने चाहिए। एनआरएचएम बहुत बड़ी स्कीम है और अच्छी स्कीम है। इसमें सीएमआर, एमएमआर, आईएमआर है, इन्हें ठीक करने में इसने अपना योगदान दिया है। इस स्टॉफ को यदि परमानेंट नहीं करें तो कम से कम इनके साथ दस साल का कांट्रैक्ट करिए। हर साल जो आप 6 महीने का कांट्रैक्ट करते हैं, यह क्या है? यह हमारी समझ में नहीं आता।

मेरा दूसरा सुझाव है कि इसी योजना में एक प्रोजेक्ट इम्पलीमेंटेशन प्लान होता है और वह प्लान जब मर्जी आए, ये लोग बदल देते हैं। ये लोग कहते हैं कि अभी आपको 300 डॉक्टर की जरुरत है। जब आपने साल भर का प्लान लिया तो आप बीच में क्यों बदल रहे हैं? यह जो यू.पी. में घोटाला हुआ, यह इसी के कारण हुआ।

दूसरे, ये सारी अनियमितताएं वित्तीय क्षेत्र में हुई हैं। मेरा कहना है कि इनका जो एकाउंट विंग है, इसको सुदृढ़ किया जाना चाहिए नहीं तो अभी इलाहाबाद हाईकोर्ट में पीआईएल लगाई गई है, ...(व्यवधान) इसलिए मेरा कहना है कि जो मैंने सुझाव दिये हैं, उनको इम्पलीमेंट किया जाए और इनके स्टॉफ को परमानेंट किया जाए, यही मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है।